COURSE :- MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (MLIS)

PAPER :- 2ND

(INFORMATION SYSTEM & PROGRAMME)

TOPIC :- NASSDOC (National Social Science Documentation Centre)

(राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान अभिलेखन केंद्र)

उद्देश्य :- इस पाठ में नैसडॉक के बारे में जानकारी प्रदान करना है I

PREPARED BY :- DINESH SINGH, CHIEF COORDINATOR, LIBRARY SCIENCE, NOU

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र

(National Social Science Documentation Centre : NASSDOC)

परिचय (Introduction) :

वर्तमान समय में साहित्य सामग्री का द्विगुणन प्रति दशक व उससे भी कम समय में हो रहा है। समाज विज्ञान के साहित्य सामग्री की आवश्यकता, विभिन्न प्रकार के वर्ग चाहे वे शैक्षणिक हों या अशैक्षणिक, सम्पूर्ण मानवता को है तथा इसमें निरन्तर वृद्धि हो रही है। सर्वप्रथम 'इण्डियन कौंसिल ऑफ़ अफेयर्स' एवं इण्डियन स्कूल ऑफ इन्टरनेशनल स्टैडीज (Indian School of International Studies) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सामाजिक विज्ञान पर अनुसन्धान पर ग्रन्थालय परिसंवाद में राष्ट्रीय विज्ञान प्रलेखन केन्द्र की स्थापना की अनुशंसा की गई। इसी उद्देश्य से 1969 में सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद् (ICSSR) की स्थापना की गई। इस परिषद् द्वारा 1970 में सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र की विधिवत स्थापना की गई। 13 जनवरी, 1986 को इसका नाम राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र रखा गया।

कार्य (Functions) :

इस केन्द्र के निम्न कार्य हैं :

1. सन्दर्भ सामग्री व शोध सामग्री एकत्रित करना।
2. नाम मात्र मूल्यों पर शोधकर्त्ता के अनुरोध पर उन्हें विशिष्ट ग्रन्थ सूची प्रदान करना।
3. शोधकर्त्ता की महत्त्वपूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाना।

4. अनुलिपि, आधार सामग्री व छायांकन को सेवायें प्रदान करना।

5. अन्तर्राष्ट्रीय प्रलेखन संस्थाओं को भारतीय सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रकाशित पत्रिकाओं की प्रलेखन सम्बन्धी सूचनायें प्रदान करना।

6. सामाजिक विज्ञान संस्थाओं को प्रलेखन एवं सूचना केन्द्र स्थापित करने में सहायता प्रदान करना।

गतिविधियाँ

(Activities)

इस केन्द्र की निम्न गतिविधियाँ हैं :

1. पुस्तकालय (Library) :

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र का अपना ग्रन्थालय है। यह पुस्तकालय केवल तीन दिनों (26 जनवरी, 15 अगस्त व 2 अक्टूबर) के अतिरिक्त पूरे वर्ष खुला रहता है। पुस्तकालय की अध्ययन इकाई 8 बजे से शाम 6 बजे तक खुली रहती है। इस पुस्तकालय के पास लगभग 30 हजार प्रलेख हैं। इस पुस्तकालय में अप्रकाशित शोध ग्रन्थ, अनुसन्धान, लेख व योजना प्रतिवेदन आदि सामग्री का संग्रह होता है। इस पुस्तकालय मे निम्न सामग्रियाँ पाई जाती हैं :

(i) सन्दर्भ सामग्री (Reference Material) :

इस पुस्तकालय में समाज विज्ञान के शब्द कोश (Dictionary), विश्वकोश (Encyclopaedia), ग्रन्थ सूचियाँ (Book list), अनुक्रमणिका (Index) व सार (Abstract) संग्रहीत किये जाते हैं।

(ii) पत्रिकायें (Perioclicals) :

पुस्तकालय में समाज विज्ञान की अनुसन्धान पत्रिकाओं के लगभग दस हजार अंक उपलब्ध हैं। इस पुस्तकालय में समाज विज्ञान से सम्बन्धित 1800 पत्रिकायें तथा 25 समाचार पत्र व 50 सामान्य पत्रिकायें मंगाई जाती हैं।

(iii) आई. सी. एस. एस. आर. का प्रकाशन (Publication of ICSSR) :

इस पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद् के प्रकाशन उपलब्ध होते हैं।

(iv) थीसीस और शोध प्रतिवेदन (Theses and Research Report) :

पी-एच. डी. की उपाधि प्राप्त करने के इच्छुक शोधकर्त्ताओं के लिये व सामाजिक विज्ञान के अन्य शोधकर्त्ताओं के लिये केन्द्र के पुस्तकालय में अप्रकाशित पी-एच. डी. थीसीस व शोध प्रतिवेदन संग्रहीत की जाती हैं।

(v) माइक्रोफोरम में प्रलेखन (Microform in Documents) :

पुस्तकालय में निम्न प्रकाशन माइक्रोफिल्म व माइक्रोफिटा के रूप में उपलब्ध हैं

1. Annals of Indian Administration.
2. Anthropological Society of Bombay Journal.
3. Bombay Geographical Society Journal.
4. Economics Working Papers.
5. Gujarat Research Society Journal.

6. Sociological Abstract.
7. Bibliography of Mughal India.
8. Social Action.

(vi) अन्तर्पुस्तकालय केन्द्र (Inter-Library Centre) :

इस परियोजना के अन्तर्गत इस केन्द्र ने दिल्ली में 38 से अधिक पुस्तकालयों में समाज विज्ञान के सारे पुराने सामयिक प्रकाशनों को एकत्रित कर एक स्थान पर व्यवस्थित किया है।

(vii) एक्सचेंज कार्यक्रम (Exchange Programme) :

सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र अपनी सेवाओं के जाल को विस्तृत रूप देने में एक और महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है। वर्तमान में लगभग 23 पत्रिकाओं का विनिमय एक हजार के लगभग संस्थाओं के साथ किया जा रहा है।

(viii) आधार सामग्री बैंक (Data Bank) :

सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान को आधार सामग्री के बढ़ते हुये महत्त्व को देखते हुये आधार सामग्री अभिलेखागारों की स्थापना की गई है।

(ix) प्रलेखन कार्यक्रम (Documentation Programme) :

इस प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन या तो स्वयं करता है या फिर विशिष्ट संस्थाओं के द्वारा किया जाता है।

2. प्रकाशन (Publication) :

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र के निम्न प्रकाशन हैं :

(i) यूनियन लिस्ट ऑफ सोशल साइन्स पिरियोडिकल (Union List of Social Science Periodical) :

1971-72 में इस सूची को चार खण्डों में प्रकाशित किया जिसमें आन्ध्रप्रदेश, बम्बई, दिल्ली व कर्नाटक के पुस्तकालयों में उपलब्ध पत्रिकाओं को सूचीबद्ध किया गया। दिल्ली से प्रकाशित सूची समय-समय पर अद्यतन होती रही।

(ii) यूनियन केटेलोग ऑफ सोशल साइन्स सीरियल (Union List of Social Science Periodical) :

इस प्रकाशन द्वारा सूची (Catalogue) को संकलित करने का कार्य 1970 को प्रारम्भ किया तथा 1976 तक इसे पूर्ण किया गया तथा अब तक इसके 32 खण्ड प्रकाशित हो चुके हैं।

(iii) यूनियन केटेलोग ऑफ न्यूजपेपर इन दिल्ली लाइब्रेरी (Union Catalogue of Newspaper in Delhi Libraries) : इस प्रकाशन में 252 दैनिक पत्रों (Newspapers) की अनुक्रमणिका है।

(iv) डायरेक्ट्री ऑफ सोशल साइन्स, रिसर्च इन्स्टीट्यूशन्स एण्ड डायरेक्ट्री ऑफ प्रोफेशनल आरगेनाइजेशन्स इन इण्डिया (Directory of Social Science, Research Institution and Directory of Professional Organization in India)

(v) महात्मा गांधी बिब्लियोग्राफी (Mahatama Gandhi Bibliography) :

इसका प्रकाशन 1974 में मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित हुआ था। बाद में बंगाली, हिन्दी, संस्कृत, उर्दू भाषा में प्रकाशित किया गया।

(vi) एरिया स्टैडीज बिब्लियोग्राफी (Area Studies Bibliography) :

इसका प्रकाशन 1979 में शुरू हुआ तथा इसके अन्तर्गत विभिन्न राज्यों के महत्त्वपूर्ण अनुसन्धानात्मक कार्यों का वर्णन किया गया।

(vii) भाषा बिब्लियोग्राफी (Language Bibliography) :

इसका प्रकाशन गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, उड़िया भाषा में होता है। इस ग्रन्थ में 6000 सन्दर्भ हिन्दी भाषा, 2000 गुजराती व 300 उड़िया व कन्नड़ भाषा में दिये हुये हैं।

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र समाजशास्त्रियों को सूचना, सन्दर्भ व प्रलेखन सेवाओं व शोध सामग्री उपलब्ध करवाने के कारण सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में निश्चित ही एक महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है।